कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

www.evidyarthi.in

परिचय

साप्ताहिक बाज़ार

मोहल्ले की दुकानें

शॉपिंग कॉम्पलेक्स और मॉल

बाज़ारों की श्रृंखला

हर जगह बाज़ार

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

परिचय

www.evidyarthi.in

हम कई चीजें खरीदने के लिए बाजार जाते हैं - सब्जियां, साबुन, टूथपेस्ट, मसाला, रोटी, चावल, दाल, कपड़े, नोटबुक, बिस्कुट आदि। यदि हम उन वस्तुओं की सूची

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

बनाते हैं जो हम खरीदते हैं, तो यह वास्तव में लंबी होगी। ऐसे कई प्रकार के बाज़ार हैं जहाँ हम अपनी रोज़मर्रा की ज़रूरतों के लिए जा सकते हैं: इनमें दुकानें, हमारे आस-पड़ोस में फेरीवाले के स्टॉल,

evidyarthi

कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

कपड़े की दुकान

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

सब्जी की दुकान

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

एक साप्ताहिक बाज़ार, एक बड़ा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, शायद एक मॉल भी शामिल हो सकते हैं। इस अध्याय में, हम इनमें से कुछ बाजारों को देखते हैं और यह समझने की कोशिश करते हैं कि वहां बेचे जाने वाले सामान

https://www.evidyarthi.in/

हॉकर की दुकान

https://www.evidyarthi.in/

मॉल

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

साप्ताहिक बाज़ार

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

https://www.evidyarthi.in/

खरीदारों तक कैसे पहुंचते हैं, ये **खरीदार** कौन हैं, ये विक्रेता कौन हैं, और उन्हें किस तरह की **समस्याओं** का सामना करना पड़ता है।

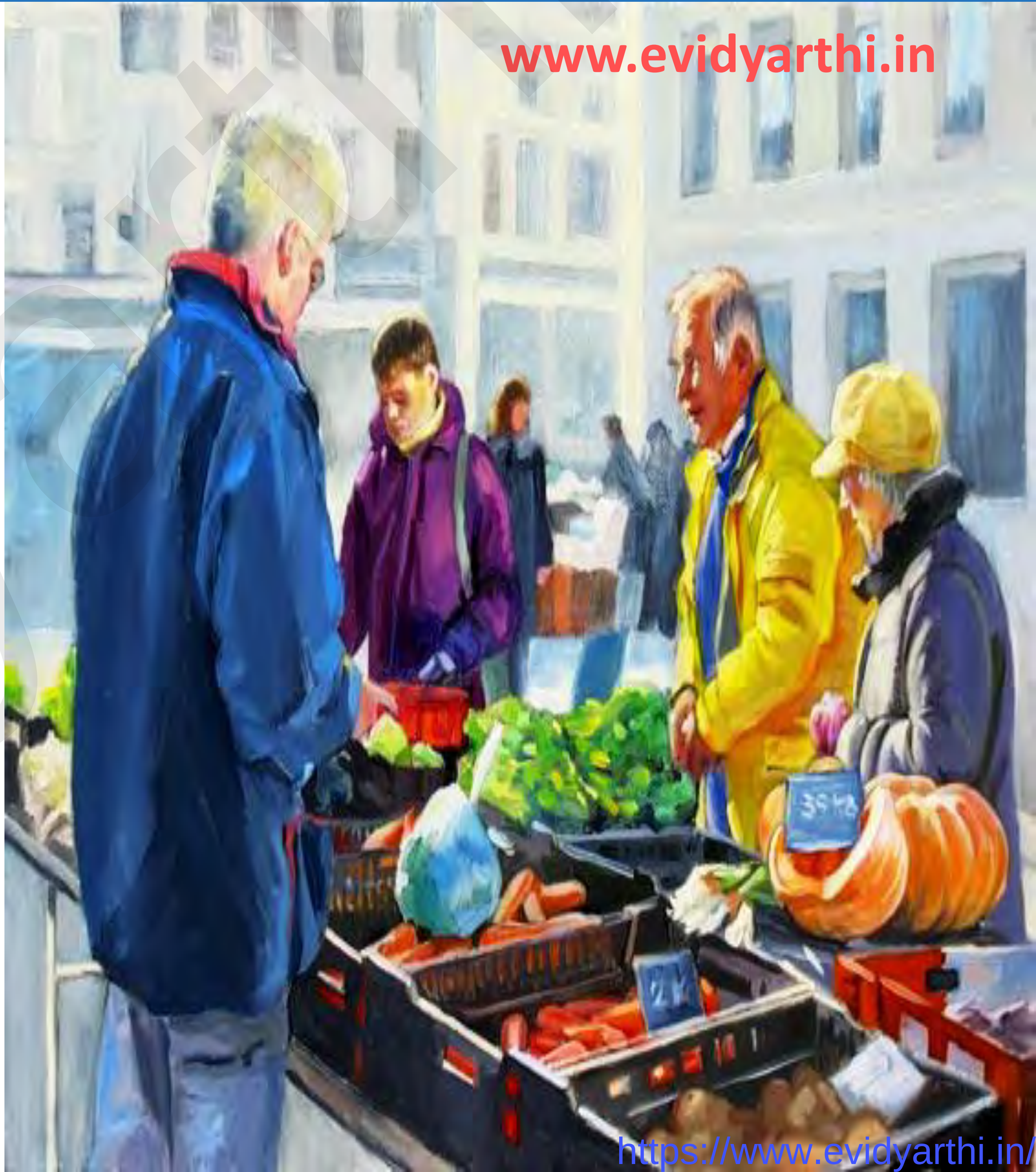

https://www.evidyarthi.in/

साप्ताहिक बाज़ार

- मनुष्य की अनेक आवश्यकताएँ होती हैं। इन जरूरतों को बाजारों से पूरा किया जा सकता है।
- एक साप्ताहिक

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

बाजार को तथाकथित इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह सप्ताह के **एक विशिष्ट दिन** पर आयोजित किया जाता है। **साप्ताहिक बाजारों में स्थायी**

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

दुकानें नहीं होती हैं।व्यापारी दिन में बाज़ार लगाते हैं और शाम होने पर उन्हें समेत लेते हैं। अगले दिन अगले दिन वे अपनी दुकानें किसी और जगह पे लगाते हैं। भारत में ऐसे हजारों बाजार हैं।

https://www.evidyarthi.in/

लोग अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए यहां आते हैं।

- साप्ताहिक बाजारों में चीजें सस्ती दरों पर मिलती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जब दुकानें स्थायी भवनों में

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

स्थित होती हैं, तो वे बहुत अधिक खर्च करती हैं- किराया, बिजली, सहायक का वेतन आदि।

- ➢ साप्ताहिक बाजार में छोटे से क्षेत्र में तरह-तरह के सामान

www.evidyarthi.in
evidyarthi
https://www.evidyarthi.in/

बिकते हैं। इसलिए यहां सभी चीजें सस्ती दरों पर खरीदी जा सकती हैं। लागत और गुणवत्ता की तुलना बहुत आसानी से की जा सकती है।

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

www.evidyarthi.in

समीर, रेडीमेड वस्त्रों का एक व्यापारी

समीर साप्ताहिक बाज़ार का एक छोटा व्यापारी है। वह शहर के एक बड़े व्यवसायी से कपड़े खरीदता है और सप्ताह भर में छः अलग-अलग जगहों के साप्ताहिक बाज़ारों में कपड़ों को बेचता है। समीर और दूसरे कपड़ा व्यापारी इकट्ठे आते-जाते हैं। इसके लिए वे किराए की मिनी वैन ले लेते हैं। उसके ग्राहक सामान्यतः आस-पास के ग्रामीण होते हैं। दीपावली, पोंगल या ऐसे ही त्यौहारों के मौकों पर वह अच्छा व्यवसाय कर लेता है।

https://www.evidyarthi.in/

https://www.evidyarthi.in/

मोहल्ले की दुकानें

- हमने देखा है कि **साप्ताहिक बाजार** विभिन्न प्रकार की **वस्तुओं** की **पेशकश** करते हैं। हम अन्य प्रकार के बाजारों से भी चीजें खरीदते हैं।
- हम **डेयरी से दूध**,

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

डिपार्टमेंटल स्टोर से किराने का सामान, स्टेशनरी, खाने योग्य या अन्य दुकानों से दवाइयाँ खरीद सकते हैं।

- इनमें से कई स्थायी दुकानें हैं, जबकि

https://www.evidyarthi.in/

- वे हमारे घर के पास हैं और हम सप्ताह के किसी भी दिन वहां जा सकते हैं। खरीदार और विक्रेता एक दूसरे को जानते हैं और ये दुकानें उधार पर सामान भी उपलब्ध कराती हैं।

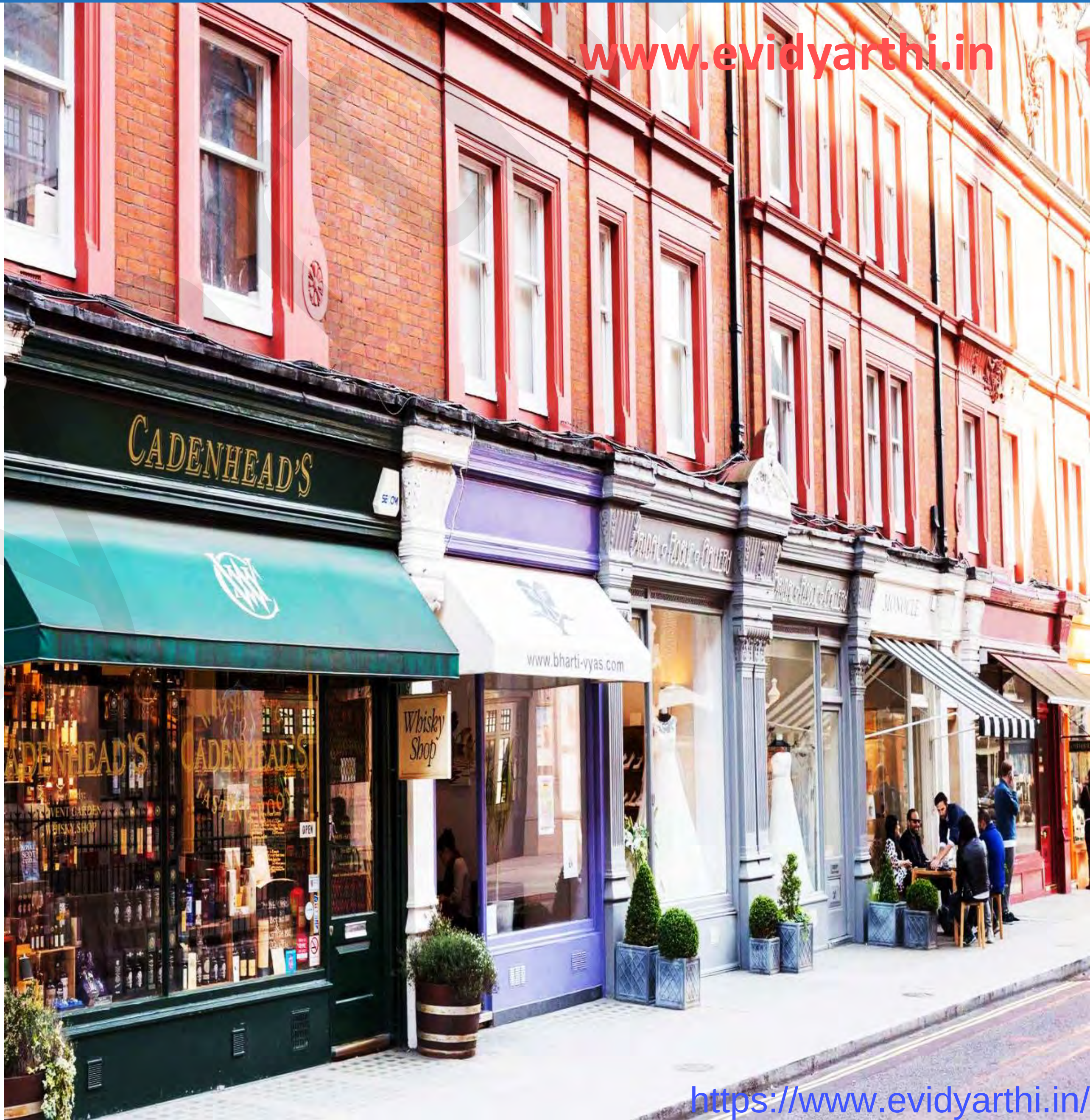

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

सुजाता और कविता एक दिन अपने मोहल्ले की दुकान से किराने का कुछ सामान खरीदने पहुंची। वे इस दुकान पर अक्सर खरीदारी के लिए आती हैं। आज यहाँ भीड़ थी। दुकान मालकिन दो सहायकों की मदद से दुकान पर काम संभल रहीं थीं। जब सुजाता और कविता दुकान पर अंदर पहुंची, तो सुजाता ने दुकान मालकिन को जरूरत के सामान की एक सूची दी। वे इनकी सूची के अनुसार सामान तोलने और पैक करवाने के लिए अपने कर्मचारियों को निर्देश देने लगीं। इस बीच कविता चारों तरफ नज़र दौड़ा रहीं थी ....

www.evidyarthi.in

बाए हाथ की सबसे ऊपरी सेल्फ पर अलग-अलग ब्रांड की साबुन की टिकिया रखी थीं। दूसरी सेल्फों पर टूथपेस्ट, टैल्कम पाउडर, शैम्पू, हेयर ऑयल आदि रखे थे। अलग-अलग ब्रांड के और अलग-अलग रंगों में सजे सामान बहुत आकर्षक लग रहे थे। फर्श पर कुछ बोरे पड़े हुए थे।

सारा सामान तौलने और पैक करने में करीब 20 मिनट का लग गए। फिर सुजाता ने अपनी "नोटबुक" सामने रख दी। दुकान मालकिन ने नोटबुक में 3000 ₹ की संख्या दर्ज की और वापस
कर दी। उसने अपने बड़े रजिस्टर में भी यह संख्या लिख कर रख ली। अब सुजाता अपने भारी बैग लेकर बाहर निकली। अगले महीने के पहले सप्ताह में उसके घर से दुकान का हिसाब चुका दिया जाएगा।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

अंजल मॉल एक पांच मंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स है। कविता और सुजाता इसमें लिफ्ट से ऊपर जाने और नीचे आने का आनंद ले रही थीं। यह कांच की बनी लगती थी। और वे इसमें से बाहर का नज़ारा देखती हुई ऊपर नीचे आ रहीं थीं। यहाँ आइसक्रीम, बर्गर, पिज्जा और अन्य खाद्य दुकानों जैसी कई अलग-अलग प्रकार की दुकानों को देखना आकर्षक था; घरेलू उपकरणों से भरी दुकानें; साथ ही किताबों की दुकान।

www.evidyarthi.in

तीसरी मंजिल पर घूमते हुए वे एक दुकान में घुस गए जो ब्रांडेड रेडीमेड कपड़े बेच रही थी। सुरक्षा गार्ड ने उन्हें ऐसे देखा जैसे वह उन्हें रोकना चाहता है लेकिन उसने कुछ नहीं कहा। उन्होंने कुछ कपड़े देखे और फिर प्राइस टैग देखा।

उनमें से कोई भी ₹ 3,000 से कम नहीं था, साप्ताहिक बाजार मूल्य से लगभग पांच गुना! सुजाता ने कविता से फुसफुसाया, "मैं तुम्हें दूसरी दुकान पर ले जाऊँगी, जहाँ अच्छी गुणवत्ता वाले रेडीमेड कपड़े अधिक उचित मूल्य पर हैं।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

शॉपिंग कॉम्पलेक्स और मॉल

- हमने दो तरह के बाज़ार देखे हैं - साप्ताहिक बाज़ार और अपने आस-पड़ोस के बाज़ार।
- शहरी क्षेत्र के अन्य बाजार जिनमें कई दुकानें हैं, जिन्हें

https://www.evidyarthi.in/

साप्ताहिक बाज़ार

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

लोकप्रिय रूप से **शॉपिंग कॉम्प्लेक्स** कहा जाता है।

- विभिन्न **मंजिलों** पर दुकानों वाली **बड़ी बहुमंजिला वातानुकूलित** इमारतें, जिन्हें **मॉल** कहा जाता है।

मॉल

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

- इन शहरी बाजारों में आपको ब्रांडेड और गैर-ब्रांडेड दोनों तरह के सामान मिलते हैं।
- ब्रांडेड सामान महंगे होते हैं, जिन्हें अक्सर विज्ञापन और बेहतर गुणवत्ता के दावों द्वारा बढ़ावा दिया

https://www.evidyarthi.in/

- इन उत्पादों को बनाने वाली कंपनियां बड़े शहरी बाजारों में दुकानों के माध्यम से और कभी-कभी विशेष शोरूम के माध्यम से इन्हें बेचती हैं।

www.evidyarthi.in

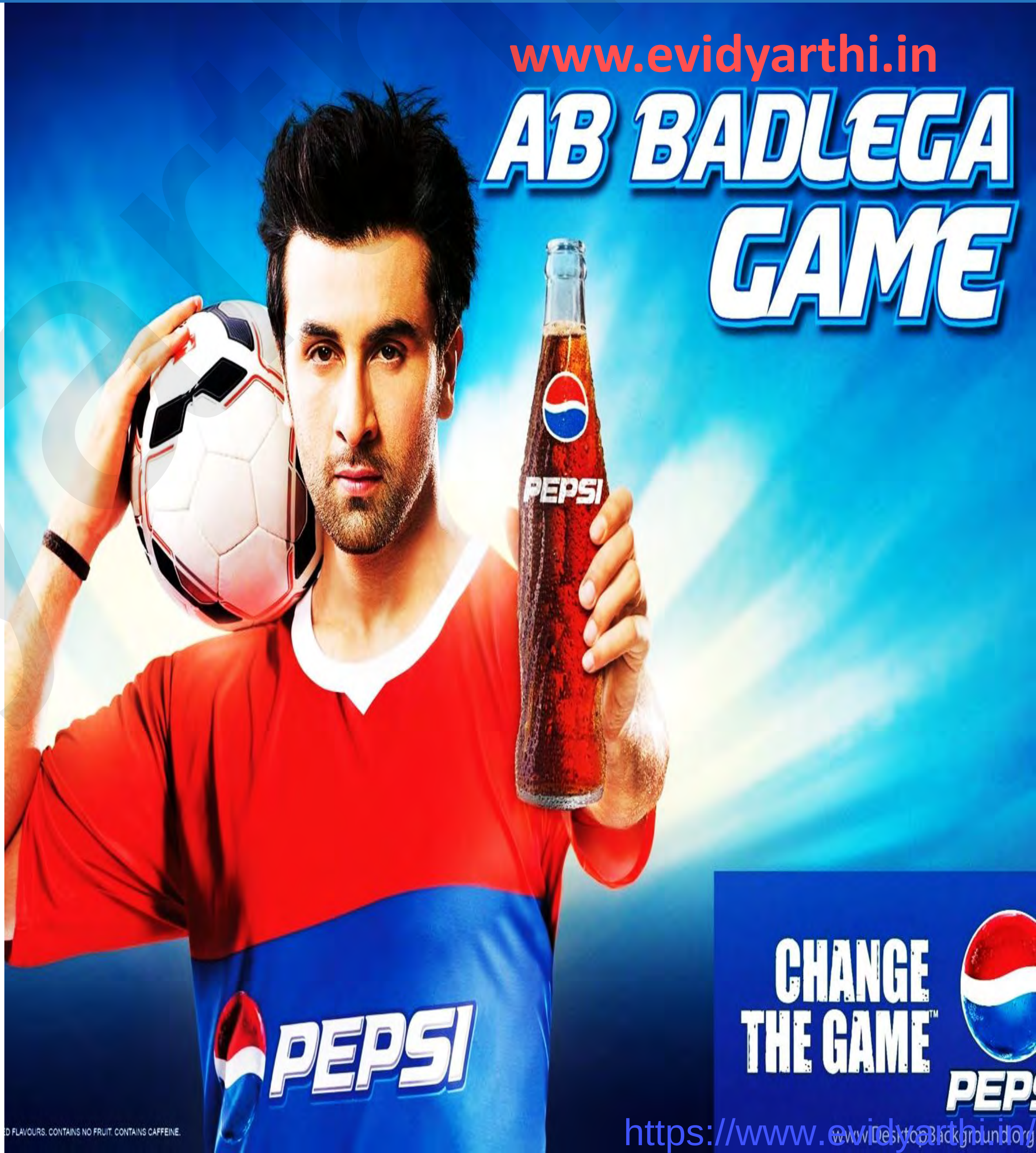

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- **गैर-ब्रांडेड**

सामानों की तुलना में, कम लोग ही ब्रांडेड सामान खरीद सकते हैं।

कोई ब्रांडेड कपड़े नहीं

evidyarthi

कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

बाज़ारों की श्रृंखला

- आपके विचार से दुकान-मालिक अपना माल कहाँ से खरीदते हैं? कारखानों में, खेतों में और घरों में माल का उत्पादन होता है।
- हम सीधे कारखाने से या

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

खेत से नहीं खरीदते हैं। न ही उत्पादकों को हमें कम मात्रा में बेचने में दिलचस्पी होगी।

- उत्पादक और अंतिम उपभोक्ता के बीच के लोग व्यापारी हैं।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

चार्ट

बाजार की श्रृंखला

निर्माता → व्यापारी → लोग

evidyarthi

www.evidyarthi.in

- थोक व्यापारी पहले बड़ी मात्रा में सामान खरीदता है। (25 से 100 किलो), फिर अन्य व्यापारियों को बेचता है।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- इन बाजारों में व्यापारियों के बीच खरीद-बिक्री होती है। जो व्यापारी अंततः इसे उपभोक्ता को बेचता है, वह खुदरा या फुटकर विक्रेता होता है।
- शहर के थोक व्यापारी ने

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

रिटेलर

evidyarthi

www.evidyarthi.in

बड़ी मात्रा में **खरीदारी** की होगी।

- ➤ **फैक्ट्री** से **प्लास्टिक** के सामान की **मात्रा** और **गोदाम** में **भण्डारित**। इस तरह **बाजारों की एक श्रृंखला** स्थापित की जाती है।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

https://www.evidyarthi.in/

हर जगह बाज़ार

www.evidyarthi.in

हमारे पास इलाके, तरीके और समय के साथ अलग-अलग **बाजार** हैं।

- जरूरी नहीं कि हमेशा **सामान खरीदने** के लिए **बाजार** ही जाना पड़े।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

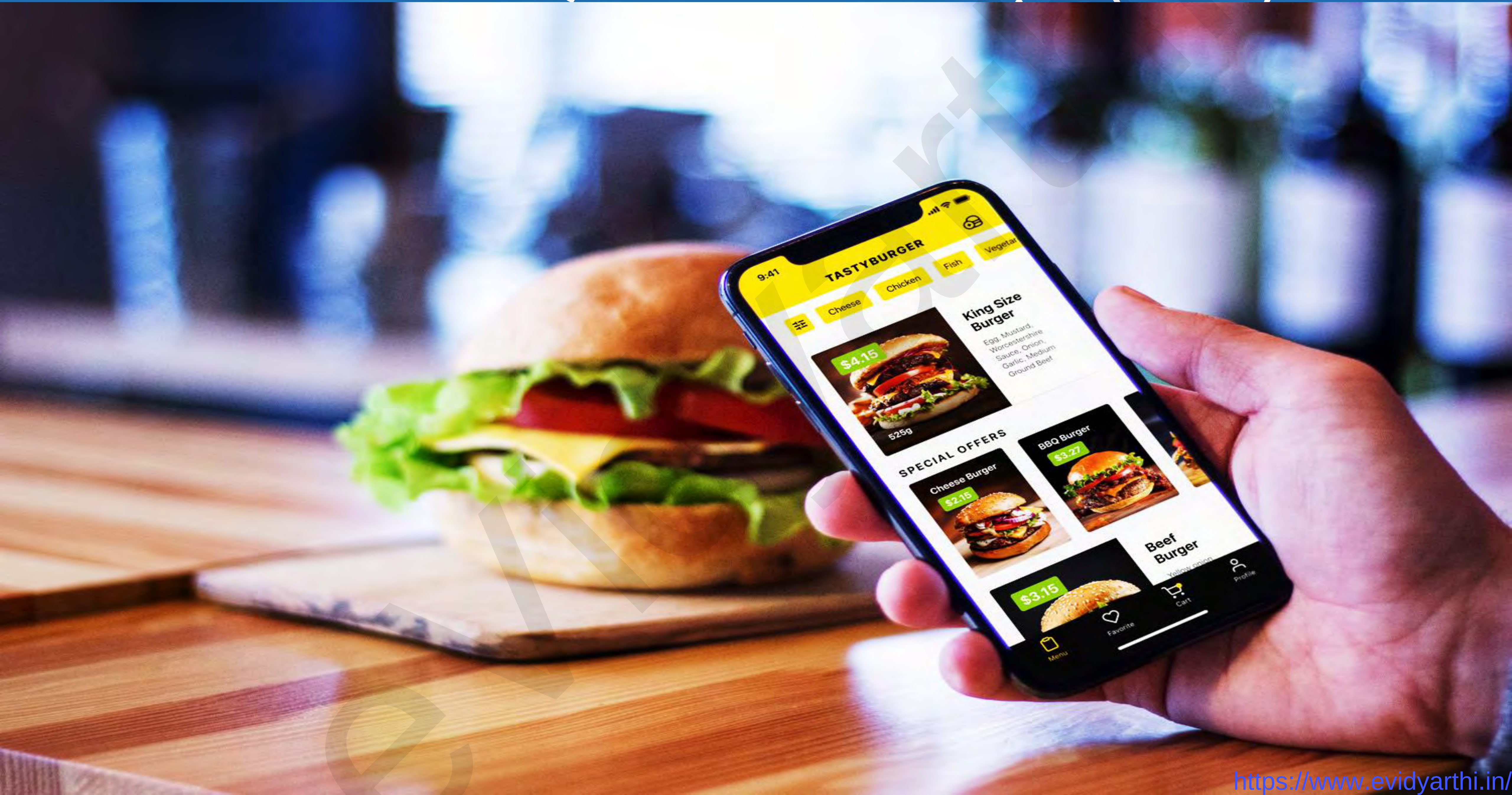

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- आप फोन और इंटरनेट के माध्यम से कई तरह की चीजों के लिए ऑर्डर दे सकते हैं और सामान आपके घर पर पहुंचा दिया जाता है।
- एक कार कारखाना

कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

ऑनलाइन खरीदारी

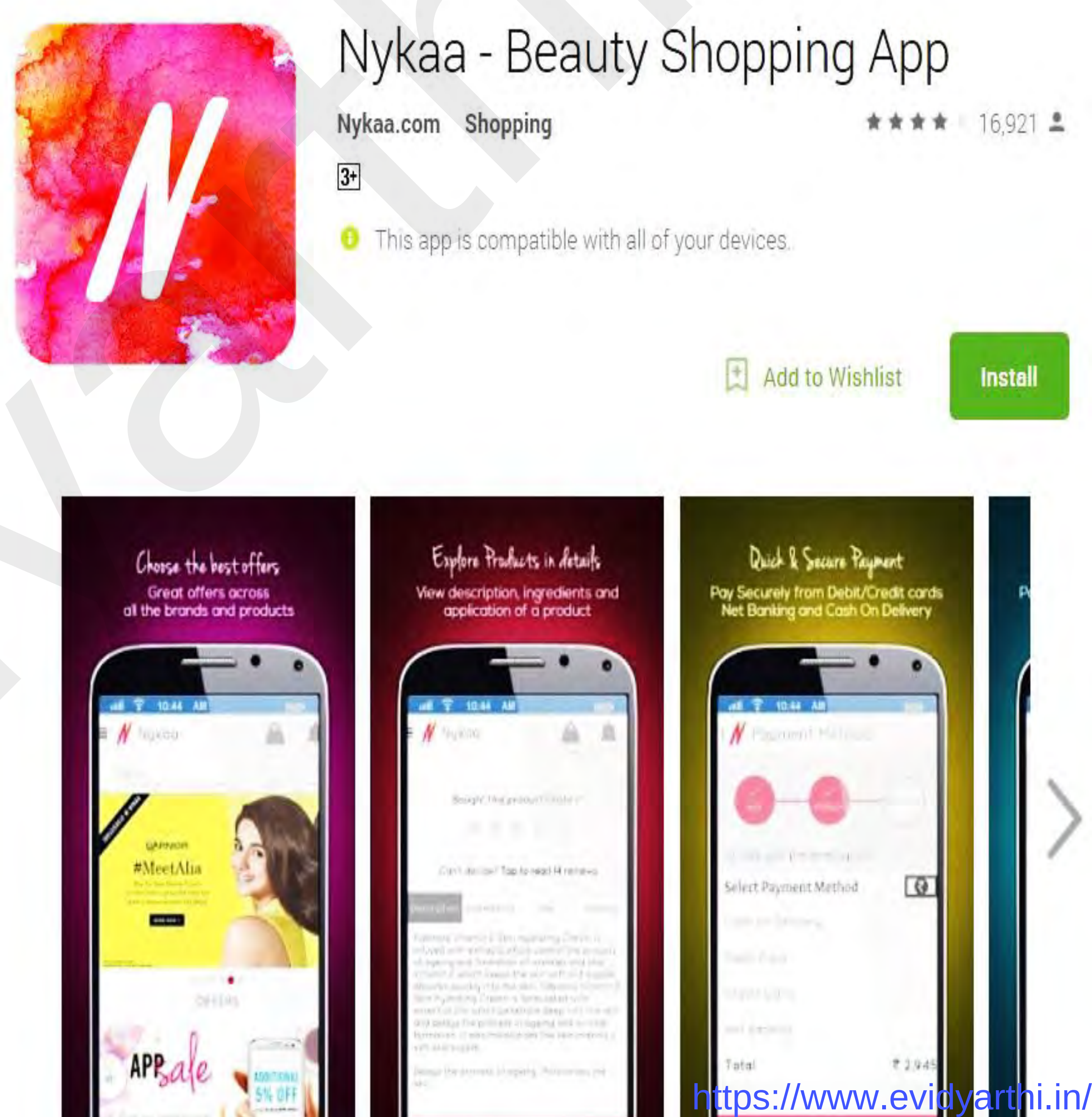

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

www.evidyarthi.in

होम डिलीवरी

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

विभिन्न अन्य कारखानों से इंजन, गियर, पेट्रोल टैंक, धुरा, पहिए आदि खरीदता हैं। हम आमतौर पर सभी खरीद और बिक्री नहीं देखते हैं, लेकिन केवल अंतिम उत्पाद - शोरूम में कार को ही देखते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

बाज़ार और समानता

www.evidyarthi.in

- साप्ताहिक बाजार में, दुकान के मालिक (छोटा व्यापारी) और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में (दुकान स्थापित करने के लिए बहुत पैसा खर्च करते हैं) दोनों अलग हैं।

https://www.evidyarthi.in/

शोरूम

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- हम इन विभिन्न बाजारों में खरीदार या विक्रेता हो सकते हैं, अन्य बातों के अलावा, हमारे पास मौजूद धन पर निर्भर करता है।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- जब चीजें बेची जाती हैं, तो यह उत्पादन को प्रोत्साहित करती है और लोगों के लिए कमाई के नए अवसर पैदा होते हैं।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 हमारे आस-पास के बाज़ार (NCERT)

https://www.evidyarthi.in/